

इंस्टीट्यूट्स को छात्रों के सर्टिफिकेट्स का डेटा अपलोड करने के लिए कहा

अब स्टूडेंट्स को मिलेगी डिजिटल डिग्री, कवायद शुरू

Digital
INDIA

पत्रिका **PLUS** रिपोर्ट

जयपुर ● अब आप अपने हायर एजुकेशन डिग्री और सर्टिफिकेट्स दुनियाभर में कहीं से भी एक्सेस कर सकेंगे। आने वाले समय में कॉलेज स्टूडेंट्स को उनकी डिग्री और सर्टिफिकेट्स सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराएंगे।

हायर एजुकेशन सर्टिफिकेट्स को ऑनलाइन इश्यू करने के लिए बनाई गई नेशनल एकेडमिक डिपॉजिटरी (एनएडी) के लिए इंस्टीट्यूट्स को डॉक्यूमेंट का डेटाबेस बनाने के लिए कहा गया है। दिल्ली में डिजिटल इनिशिएटिव्स पर आयोजित नेशनल कन्वेंशन में हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स के अधिकारियों को जल्द से जल्द डेटाबेस बनाने और इसे अपलोड करने पर चर्चा हुई है। कन्वेंशन में हिस्सा लेकर लौटे एमएनआईटी जयपुर के डायरेक्टर प्रो. उदयकुमार यारागट्टी ने कहा कि



छात्रों की यूनीक आईडी से कनेक्ट

स्टूडेंट्स अपने डॉक्यूमेंट्स को यूनीक आईडी के जरिए एक्सेस कर सकेंगे। इसके लिए उनका आधार नंबर जोड़ा जाएगा। इंस्टीट्यूट की ओर से जैसे ही डेटा अपलोड किया जाएगा, उससे संबंधित सभी स्टूडेंट्स के पास एसएमएस आ जाएगा, जिसके बाद वे आधार नंबर के जरिए अपने डॉक्यूमेंट एक्सेस करेंगे।

एमएचआई डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन को लेकर काफी संजीदा है। डेटा जल्द से जल्द अपलोड करने के लिए कहा गया है। डेटाबेस बनाने की कवायद की जा रही है।

प्रो. उदयकुमार यारागट्टी, डायरेक्टर एमएनआईटी

स्टूडेंट्स को अपनी डिग्री और सर्टिफिकेट्स कहीं से भी ऑनलाइन एक्सेस करने में सुविधा होगी। कॉलेजों के लिए यह दो साल तक फ्री है। उन्हें डेटा अपलोड करने के लिए कहा गया है।

प्रो. एम.पी. पूनिया, वाइस चेयरमैन, एआईसीटीई

डिजिटल इनिशिएटिव्स को लेकर प्रयास तेज हो गए हैं। हालांकि डेडलाइन नहीं दी गई है, लेकिन इंस्टीट्यूट्स को जल्द से जल्द डेटा अपलोड करना होगा। हम स्टूडेंट्स के सर्टिफिकेट्स के डेटा को वेरिफाई करने पर काम कर रहे हैं।

ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई)

के वाइस चेयरमैन प्रो. एम.पी. पूनिया का कहना है कि इंस्टीट्यूट्स स्टूडेंट्स के डॉक्यूमेंट वेरिफाई करके ही अपलोड करेंगे।

ऐसे में इसकी ऑथेंटिसिटी 100 प्रतिशत होगी। इसके साथ ही डॉक्यूमेंट्स के लिए सेफ्टी प्रिकॉशन भी रखे गए हैं ताकि डुप्लीकेसी या फर्जीवाड़े पर रोक लग सके। स्टूडेंट्स

के लिए यह काफी सुविधाजनक होगा। अभी उन्हें बाहर पढ़ने जाने पर हार्डकॉपी न होने से असुविधा होती है। कई इंस्टीट्यूट्स ने डेटा अपलोड करना शुरू भी कर दिया है। एक संस्थान ने 46 हजार स्टूडेंट्स का डेटा अपलोड कर रिकॉर्ड बनाया है। खास बात यह है कि इंस्टीट्यूट्स के लिए यह दो साल तक फ्री है।